K-620

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-501

वेद एवं निरूक्त भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. इन्द्र के स्वरूप एवं कार्यों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

2. इन्द्र ने ऋषियों एवं पृथ्वी वासियों के कष्ट को दूर किया? इस प्रसंग का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

अथवा

पृथ्वी सूक्त के महत्ता का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

3. नासदीय सूक्त के महत्त्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित सूक्तों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथ्वीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम।।
यः प्राणतो निमिषतो महित्वैक इन्द्रजा जगतो बभूव।
यः ईशे अस्य द्विपद चतुष्पदः कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

अथवा

हिरण्यगर्भ गर्भ सूक्त के अनुसार एकश्वेरवाद की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. निरुक्त का परिचय देते हुए उसके महत्व और उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

अथवा

भावविकारों का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. इन्द्र के सोमरस पान के विषय में लिखिए।

2. नासदीय सूक्त का सार लिखिए।

अथवा

सामनस्य सूक्त का सारांश लिखिए।

3. हिरण्यगर्भ सूक्त की विशेषताएं लिखिए।

4. निघन्टू क्या है, परिचय दीजिए।

5. यास्काचार्य का परिचय दीजिए।

अथवा

निरुक्त के अनुसार भाव-विभाजन क्या है, प्रकाश डालिए।

6. परोक्ष वृत्ति के विषय में लिखिए।

7. निरुक्त के प्रयोजन के विषय में लिखिए।

8. वेदार्थ की आवश्यकता के विषय में प्रकाश डालिए।

अथवा

शाब्दबोध के विषय में लिखिए।